|  |  |
| --- | --- |
| **جمعية الاتصالات الراديوية (RA‑15)****جنيف، 30-26 أكتوبر 2015** |  |
| **الاتحــــاد الـدولــــي للاتصــــالات** |  |
|  |  |
|  | الوثيقة 4/1004-A |
|  | 8 سبتمبر 2015 |
|  |  |
| لجنة الدراسات 4 للاتصالات الراديوية |
| قرارات تهم ل‍جنة الدراسات 4 ت‍حديداً |
|  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| رقم القرار | العنوان | إجراء الجمعيةRA‑15 | تعليقات |
| **ITU-R 17-4** | تكامل الاتصالات المتنقلة الدولية - 2000 IMT‑2000) وIMT المتقدمة) مع الشبكات القائمة | SUP | انظر الوثيقة 5/1001 |
| **ITU-R 47-2** | تقديم تكنولوجيات الإرسال الراديوي الساتلي في المستقبل من أجل الاتصالات المتنقلة الدولية IMT-2000 | NOC |  |
| **ITU-R 50-2** | دور قطاع الاتصالات الراديوية في التطوير الجاري للاتصالات المتنقلة الدولية (IMT) | NOC | انظر الملحق 1بالوثيقة 5/1004 |
| **ITU-R 56-1** | التسمية الخاصة بالاتصالات المتنقلة الدولية | NOC | انظر الملحق 2بالوثيقة 5/1004 |
| **ITU-R 57-1** | مبادئ عملية تطوير الاتصالات المتنقلة الدولية-المتقدمة | NOC |  |
| **ITU-R [IMT.PRINCIPLES]** | المبادئ المتعلقة بعملية التطوير المستقبلي للاتصالات المتنقلة الدولية لعام 2020 وما بعده | ADD | انظر الملحق 3بالوثيقة 5/1004 |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **NOC** = لا تغيير | **MOD**=مراجعة | **SUP** =حذف | **ADD** =نص جديد |

\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_